<u>प्रश्नोत्तर & वर्कशीट – PART - 2</u> **टूटा पहिया (अपने पक्ष को ----- लोहा ले सकता हूँ)**

1. नए शब्द –

* पक्ष – वश, भाग side	* असत्य - झूठ	* जानते हुए भी - അറിഞ്ഞിട്ടും	* महारथी – महान योद्धा
* अकेली - एकाकी ഏകനായ, ഒറ്റയ്ക്കായ	* निहत्थी - निरायुध/शस्त्रहीन നിരായുധനായ	* आवाज़ - शब्द	
* कुचल देना – रौंद डालना, शत्रु का सर्वनाश कर देना ചവിട്ടിമെതിക്കുക, നശിപ്പിക്കുക			
* लोहा लेना – सामना करना, मुकाबला करना നേരിടുക, എതിരിടുക			

2. समानार्थी शब्द कविता से चुनकर लिखें ।

1. झूठ - असत्य 2. महान योद्धा - महारथी 3. एकाकी - अकेली 4. शब्द - आवाज़ 5. निरायुध/शस्त्रहीन – निहत्थी

3. मुहावरे का मतलब क्या है ?

1. कुचल देना – रौंद डालना, शत्रु का सर्वनाश कर देना 2. लोहा लेना – सामना करना, मुकाबला करना

4. विशेषण शब्द लिखें ।

1. बडे–बडे महारथी - बडे–बडे 2. निहत्थी आवाज़ - निहत्थी

5. किसका प्रतीक है ?

1. ब्रह्मास्त्र – शासक वर्ग द्वारा अधिकार और शक्ति का दुरुपयोग/ सर्वनाश/ महाशक्ति
2. महारथी लोग – असत्य और अधर्म / शोषक वर्ग / अन्याय लोग / ऊँचे अन्यायी वर्ग

6. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. कविता में किसका पक्ष असत्य का है?
   बडे बडे महारथी का (कौरवों का)
2. कविता में अकेली निहत्थी आवाज़ किसकी है?
   अभिमन्यु की
3. कौन ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ ?
   टूटा पहिया
4. अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें। कौन-कौन ?
   बडे-बडे महारथी
5. बडे-बडे महारथी क्या-क्या करना चाहते थे ?
   वे अकेली निहत्थी आवाज़ को (निरायुध अभिमन्यु को) अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहते थे ।
6. ब्रह्मास्त्रों से लोहा लेने में किसने अभिमन्यु की मदद की ?
   टूटा पहिया ने
7. महारथी किसको ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहते हैं ?
   अकेली निहत्थी आवाज़ को
8. टूटा पहिया किनसे लोहा ले सकता है ?
   ब्रह्मास्त्रों से
9. ' उसके हाथों में ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ '– किसके हाथों में ?
   अभिमन्यु के
10. निरायुध होने पर अभिमन्यु ने किसे शस्त्र बनाकर शत्रुओं का सामना किया ?
    टूटा पहिये को
11. ' अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी '- किसके बारे में यह कहा गया है ?
    महारथी के
12. ' सकता हूँ '- क्रिया का सीधा संबंध किससे है ?
    मैं
13. बडे-बडे महारथी क्या जानते थे ?
    अपना पक्ष असत्य का है ।
14. वर्तमान समय में शासक वर्ग अपने अधिकार और शक्ति से असहायों की आवाज़ को मिटा देना चाहने पर उनकेलिए कौन उपयोगी बनेगा ?
    मानवीय मूल्य

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145 M 9567224545

15. अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बडे-बडे महारथी
अकेली निहत्थी आवाज को
अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें ! **- इन पंक्तियों के आशय पर चर्चा करें ।**

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी बडे बडे महारथियों ने अपने ब्रह्मास्त्रों से अभिमन्यु अकेली निहत्थी आवाज़ को कुचल डालना चाहा । शासक वर्ग अपने अधिकार और शक्ति का दुरुपयोग करके आम जनता को कुचल डालना चाहता है ।

16. तब मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथों में
ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ ! **- इन पंक्तियों में चर्चित पौराणिक संदर्भ वर्तमान परिवेश में कहाँ तक प्रासंगिक है ?**

चक्रव्यूह में फँसे निरायुध अभिमन्यु ने रथ के टूटे हुए पहिए से शत्रुओं के ब्रह्मास्त्रों का लोहा ले सकता है । उसी प्रकार शासक वर्ग अपने अधिकार और शक्ति के जरिए आम जनता पर अत्याचार करते समय इससे मुक्ति पाने केलिए उनको मानवीय मूल्यों का सहारा लेना पडेगा ।

17. कवितांश का आशय (अपने पक्ष को असत्य .... लोहा ले सकता हूँ)

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के मशहूर कवि **'श्री. धर्मवीर भारती'** की कविता संग्रह **'सात गीत वर्ष'** से चुनी गई 'टूटा पहिया' कविता से ली गई हैं । महाभारत युद्ध के प्रसंग को आधार बनाकर लिखी गई इस प्रतीकात्मक कविता में कवि ने वर्तमान सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डाला है । इसमें कवि हमें यह संदेश देना चाहते हैं कि इस संसार में प्रत्येक वस्तु का अपना मूल्य है, किसी भी वस्तु को तुच्छ समझकर उपेक्षा न करना चाहिए ।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी बडे बडे महारथियों ने अपने ब्रह्मास्त्रों से अभिमन्यु अकेली निहत्थी आवाज़ को कुचल डालना चाहा । उस वक्त अभिमन्यु ने अपने रथे के टूटे हुए पहिए को हथियार बनाकर ब्रह्मास्त्रों से लोहा लिया था । शासक वर्ग अपने अधिकार और शक्ति का दुरुपयोग करके आम जनता को कुचल डालना चाहता है । ऐसी अवसर पर मैं, रथ का टूटा पहिया मानव मूल्य बनकर निरायुध के हाथ में आ जाता हूँ और ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ । यहाँ महारथी शोषक वर्ग का और ब्रह्मास्त्र शासक वर्ग के द्वारा शक्ति और अधिकार के दुरुपयोग का प्रतीक है ।

मानवीय मूल्यों की शक्ति व्यक्त करनेवाली यह कविता हर तरह से बिलकुल प्रासंगिक तथा अच्छी है । कवि ने कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है, जिससे उन्हें अपने उद्देश्य कथन में पूर्ण रूप से सफलता मिली है ।

7. आशयवाली पंक्तियाँ लिखें।

1. अभिमन्यु मेरे सहारे ब्रह्मास्त्रों का सामना कर पाएगा ।
   उसके हाथों में / ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ !
2. अकेले पडे निरायुध के शब्द को भी अपने अधिकार के ज़रिए मिटा देना चाहेंगे ।
   अकेली निहत्थी आवाज़ को / अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें

8. आशय समझकर सही मिलान करके लिखें ।

1. अपना पक्ष - ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहते हैं ।
   बडे-बडे महारथी – असत्थ का है ।
   अकेली निहत्थी आवाज़ को – यह जानता है ।
   टूटा हुआ पहिया - ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता है ।
2. कौरव पक्ष – अकेली एवं निहत्थी
   महारथी लोग – भयानक हथियार
   ब्रह्मास्त्र - बडे-बडे योद्धा
   आवाज़ - असत्य एवं अन्याय का

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCOPLUS PH 9567124545

व्याकरण अंश

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

1. वह सामना करता है । — उसने सामना किया ।
   वे आक्रमण करते हैं । — ---------------------।

3. महारथी कुचलना चाहेंगे । — महारथी कुचलना चाहते हैं ।
   अभिमन्यु अकेले लडेगा । — अभिमन्यु अकेले ----------- ।

7. महारथी जानते हैं । — अभिमन्यु --------- ।

8. वे कुचल देते हैं । — उन्होंने कुचल देगा ।
   वह सहारा लेता है । — -------------------- ।

10. वह लडता है । — वह लडना चाहता है ।
    वे कुचल देते हैं । — वे कुचल ------------ ।

2 . कोष्ठक से सही क्रिया रूप से वाक्य की पूर्ति करें ।

1. बडे-बडे महारथी अभिमन्यु का नाश करना -------------। (चाहता है, चाहते हैं, चाहती है, चाहती हैं)
2. मैं लोहा ले -------------- । (पाएगा, पाएँगे, पाओगे, पाऊँगा)

4. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. महारथी आवाज़ को कुचल देते हैं ।
   महारथी आवाज़ को कुचल देता है ।
   महारथी आवाज़ को कुचल देती हैं ।
   महारथी आवाज़ को कुचल देती है ।

2. मैं लोहा ले सकेगा ।
   मैं लोहा ले सकूँगा ।
   मैं लोहा ले सकोगे ।
   मैं लोहा ले सकेंगे ।

5. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. महारथी कुचल देना चाहेंगे । (निहत्थी, बडे-बडे)
   महारथी आवाज़ को कुचल देना चाहेंगे ।
   ----------------------।
   -----------------------------।

2. लोहा ले सकता हूँ । (ब्रह्मास्त्रों से, टूटा हुआ)
   पहिया लोहा ले सकता हूँ ।
   ----------------।
   -------------------------- ।

6. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

1. उसकी आवाज़ अकेली थी । (शब्द)
2. मैं लोहा ले सकता हूँ । (हम)
3. वह चुनौती देने लगेगा । (वे)
4. सैन्य चुनौती दे रहा था । (सेना)
5. महारथी कुचल देना चाहेंगे । (आवाज़)
6. मैं लोहा ले सकूँगा । (तुम)
7. वह सामना कर पाएगा । (हम)
8. मैं ब्रह्मास्त्रों से लडूँगा । (तू)